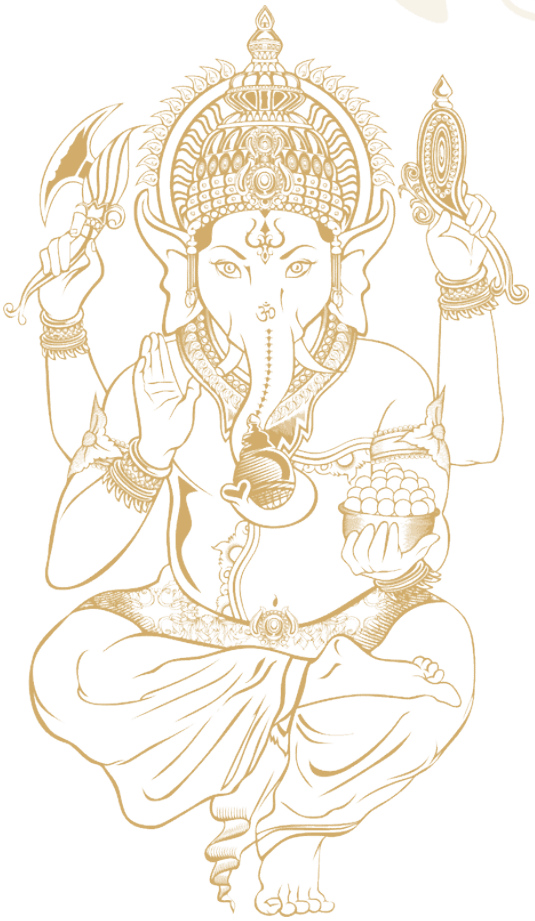

Ranat Pragati

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121818703

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
05/02/1992	जन्म तिथि	07/05/1997
बुधवार	दिन	बुधवार
घंटे 20:15:00	जन्म समय	14:34:00 घंटे
घटी 33:45:48	जन्म समय(घटी)	22:58:32 घटी
India	देश	India
Allahabad	स्थान	Hardoi
25:27:00 उत्तर	अक्षांश	27:23:00 उत्तर
81:50:00 पूर्व	रेखांश	80:06:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:02:40	स्थानिक संस्कार	-00:09:36 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:44:40	सूर्योदय	05:26:29
17:48:49	सूर्यास्त	18:46:15
23:45:06	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:10

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
राहु 10वर्ष 6मा 12दि	25:30:19	सिंह	लग्न	सिंह	28:28:59	सूर्य 4वर्ष 7मा 21दि
शनि	22:18:09	मक	सूर्य	मेष	23:01:36	राहु
19/08/2018	12:11:49	कुंभ	चंद्र	मेष	29:41:05	28/12/2018
19/08/2037	26:39:56	धनु	मंगल	सिंह	23:28:05	27/12/2036
शनि 22/08/2021	17:23:32	मक	बुध व	मेष	05:43:45	राहु 09/09/2021
बुध 01/05/2024	18:47:59	सिंह व	गुरु	मक	26:22:33	गुरु 03/02/2024
केतु 10/06/2025	20:08:24	धनु	शुक्र	वृष	02:03:50	शनि 10/12/2026
शुक्र 09/08/2028	16:17:13	मक	शनि	मीन	20:58:12	बुध 28/06/2029
सूर्य 22/07/2029	15:36:52	धनु व	राहु व	कन्या	03:54:10	केतु 16/07/2030
चन्द्र 21/02/2031	15:36:52	मिथु व	केतु व	मीन	03:54:10	शुक्र 16/07/2033
मंगल 31/03/2032	21:59:27	धनु	हर्ष	मक	14:50:25	सूर्य 10/06/2034
राहु 05/02/2035	23:46:46	धनु	नेप व	मक	06:07:50	चन्द्र 10/12/2035
गुरु 19/08/2037	29:05:39	तुला	प्लूटो व	वृश्चि	10:53:46	मंगल 27/12/2036

लग्न-चलित

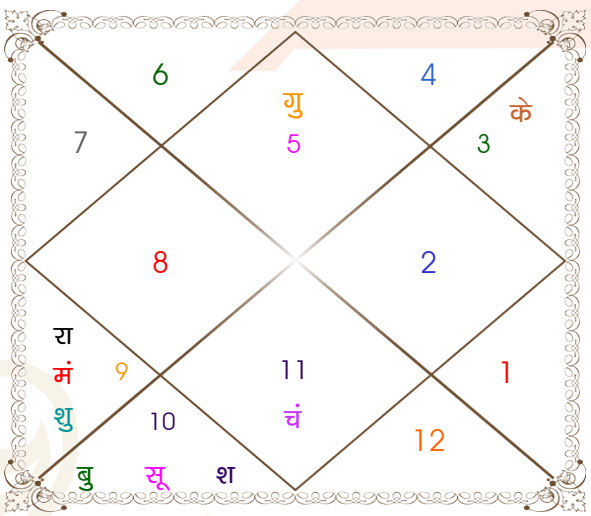

लग्न-चलित

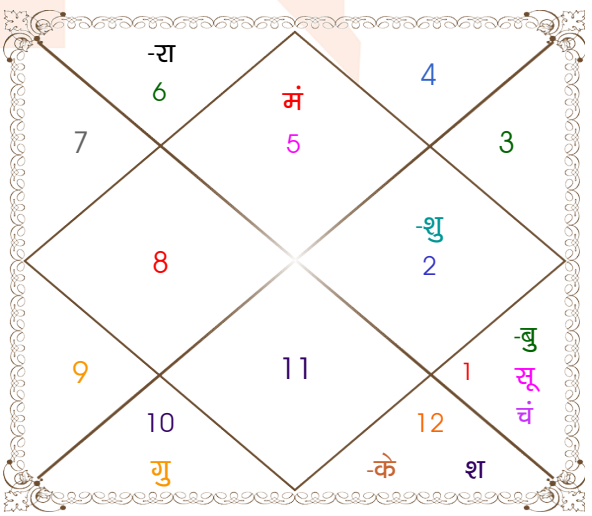

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	अश्व	मेष	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	मंगल	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	मेष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.00		

Ranat का वर्ग मेष है तथा Pragati का वर्ग गरूड़ है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Ranat और Pragati का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Ranat मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

Pragati मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Ranat कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Ranat तथा Pragati में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।